

**आप वो रोशनी हैं, जो हर राह को जगमग कर दे,  
हर रिश्ते की डोर को स्नेह से मजबूत कर दे।  
हर लम्हा सोचा आपने अपनों के लिए,  
हर कदम उठाया उनकी खुशी के लिए।**

**आपकी चिंता में बस अपनों का सुख समाया,  
हर मुस्कान के पीछे आपका साया।  
स्वास्थ्य, ख़ुशहाली—ये बस शब्द नहीं,  
आपके हर कर्म की अनमोल कही।**

**जो इतना देते हैं, उन्हें भी कुछ मिलना चाहिए,  
स्नेह, सम्मान, और आभार का पल सजना चाहिए।  
तो आज ये सरप्राइज़ नहीं, एक समर्पण है,  
आपके प्रेम और निस्वार्थ भाव का वंदन है।**